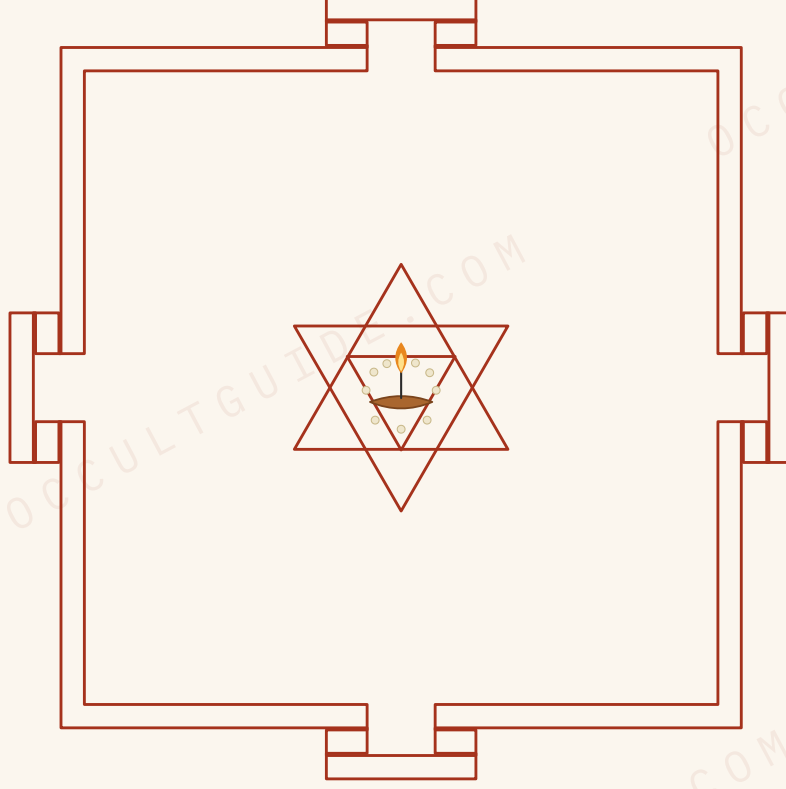


मन्त्रमहोदधिः

Mantra Mahodadhi · The Taraṅgas · Chapter 18: The Exposition of the Kālarātri and Caṇḍī Mantras, the Śatacaṇḍī and the Rest · 39



त्रिकोण-षट्कोण — वह्नि-पुर-द्वय (अग्नि-आकृति का द्विगुण)

भूपुर — क्षोणी-पुर, पृथ्वी-आकृति का बाहरी घेरा

मध्य में जोंक-चूर्ण-युक्त बत्ती व तैल से भरा मिट्टी का दीपक, चतुर्दिक् लाजा (खील)

वह्निपुरद्वय-क्षोणीपुर-यन्त्रम्

© OccultGuide.com · CC BY-SA 4.0

The lamp's yantra: a triangle doubled into a hexagon (the fire-figure, vahni-pura), enclosed by the earth-figure bhūpura. Unlike Kālarātri's own elaborate worship-yantra (bindu, triangle, hexagon, circles, an eight- and a sixteen-petalled lotus, and a three-lined bhūpura, vv.13-14), this lamp-yantra names only these three simpler elements to set the oil-lamp upon.

दीपक का यन्त्रः त्रिकोण जिसका द्विगुण षट्कोण (अग्नि-आकृति, वह्नि-पुर), तथा उसे घेरता हुआ पृथ्वी-आकृति भूपुर। कालरात्रि के अपने विस्तृत पूजा-यन्त्र (बिन्दु, त्रिकोण, षट्कोण, वृत्त, अष्टदल व षोडशदल कमल, त्रिरेख भूपुर — श्लोक १३-१४) से भिन्न, इस दीप-यन्त्र में दीपक रखने के लिए केवल यही तीन सरल अंग बताये गये हैं।

Drawn from the text's own construction rule. The verse, with its Sanskrit, word-by-word gloss and translation, is at

<https://occultguide.com/scripture/mantra-mahodadhi/tarangas-taranga-eighteen-the-exposition-of-the-kalaratri-and-candi-mantras#fig-v39>